12/12/17 (E)

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper:	**2348**	**HC**
Unique Paper Code	**: 62051103**	
Name of Paper	**: M.I.L.; Hindi Bhasha Aur Sahitya (B)**	
Name of Course	**: B.A. (Prog.) CBCS**	
Semester	**: I**	
Duration	**: 3 hours**	
Maximum Marks	**: 75**	

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
एकै आषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ।

अथवा

जासु नाम सुमरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।।
सोइ कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।।

(ख) या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहिं कोइ।
ज्यौं ज्यों बूड़ै स्याम रंग, त्यौं त्यौं उज्जलु होइ।।

अथवा

P. T. O.

साजि चतुरंग-सैन अंग में उमंग धारि, सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत है।
भूषन भनत नाद-बिहद नगारन के, नदीनद मद गैबरन के रलत है।
ऐलफैल खैलभैल खलक में गैलगैल, गजन की ठैलपैल सैल उसलत है।
तारा सो तरनि धूरिधारा में लगत जिमि, थारा पर पारा पारावार यों हलत है।

(ग) सुधा-धार यह नीरस दिल की
मस्ती मगन तपस्वी की।
जीवन ज्योति नष्ट नयनों की
सच्ची लगन मनस्वी की।।

अथवा

नव गति, नव लय, ताल-छंद नव
नवल कंठ, नव जलद-मंद्ररव
नव नभ के नव विहंग-वृंद को
नव दानव स्तर दे! 10+10+10

2. कबीरदास **अथवा** तुलसीदास का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

3. बिहारी के दोहों **अथवा** भूषण-कृत काव्य का सार लिखिए। 10

4. 'बालिका का परिचय' **अथवा** 'वर दे वीणावादिनी' का काव्य-सौन्दर्य लिखिए। 10

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए:

(अ) आधुनिक भारतीय भाषाएँ : सामान्य परिचय

(ब) अवधी। 5

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए:

(अ) सिद्ध-नाथ साहित्य

(ब) संत-काव्य

(स) प्रगतिवाद

(द) नई कविता। 5+5=10